

# अनुमण्डल दण्डाधिकारी का न्यायालय पोड़ाहाट चक्रधरपुर।

आदेश फलक

धारा-144 द0प्र0सं0

वाद संख्या 209/2019

श्री उर्म देवी देवी

बनाम्

मुकेश सुनि

21-12-2019. चूंकि आवेदक के आवेदन/थाना द्वारा प्राप्त अप्राथमिकी संख्या 214/17-12-19 दिनांक 21/12/19 के अवलोकन से मैं संतुष्ट हूँ कि

पक्ष 1 श्री उर्म देवी देवी 04-01-20

पक्ष 2 मुकेश सुनि 17-01-20

नीचे वर्णित अनुसूची विवादग्रस्त भूमि आदि के दखल को लेकर शांति भंग

होने की प्रबल सम्भावना है और इसकी रोकथाम तत्काल आवश्यक है। आवेदक के आवेदन से मैं पूर्ण

रूप से संतुष्ट हूँ। विधि-व्यवस्था को बनाये रखने हेतु द.प्र.सं. की धारा-144 के तहत कार्यवाही

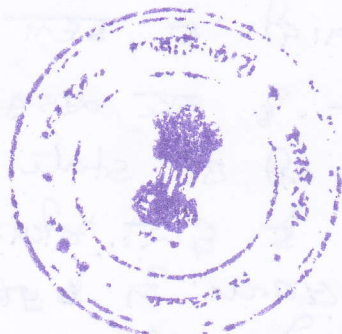
आवश्यक प्रतीत होता है। इसलिए मैं धारा-144 द.प्र.सं. के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए

उभय पक्षों को विवादग्रस्त भूमि में जाने से और वहाँ किसी प्रकार का विघ्न डालने से सख्त निषेध

करता हूँ। निर्देश दिया जाता है कारण-पृच्छा न्यायालय में दिनांक 20-12-19 तक दाखिल करें।

## भूमि का विवरण

भौजा	थाना नं0	खाता नं0	प्लॉट नं0	रकवा	चौहद्दी
चक्रधर	85	214	758	0.03000dec	पूर्व0 N° Villag Kasta पश्चिमी 5. 0.0' उत्तर E- 1st party दक्षिण 1st party
				Total 0.24dec	



Devi  
21/12/19

अनुमण्डल दण्डाधिकारी  
पोड़ाहाट चक्रधरपुर  
2019

29-01-20 अधिकृत उपलब्ध / प्रथम पत्र के पद ① सीक ग्रेडिंग उपलब्ध /  
द्वितीय पत्र के पद ① मुकेश सुरी उपलब्ध / वीरगंगा एकादश  
कार्य से मूल अधिकृत दिनांक 07-02-20 को उपलब्ध करें।

07-02-20 अधिकृत उपलब्ध द्वितीय पत्र के बारे से अधिकृत द्वारा वकायतन  
होवरी की गई। अधिकृत दिनांक-18-02-20 को उपलब्ध करें।

Beu

18-02-20 अधिकृत उपलब्ध / द्वितीय पत्र के बारे से अधिकृत द्वारा वकायतन  
होवरी की गई। प्रथम पत्र के बारे से अधिकृत द्वारा वकायतन-  
होवरी की गई। वीरगंगा एकादश कार्य से मूल अधिकृत  
दिनांक 20-02-20 को उपलब्ध करें।

20-02-20 अधिकृत उपलब्ध / प्रथम पत्र के बारे से अधिकृत के बारे  
से वकायतन होवरी की गई। द्वितीय पत्र के बारे से अधिकृत  
द्वारा वकायतन होवरी की गई। वाद की कार्यविधि पूर्ण हो  
गई है, वाद की कार्यवाई समाप्त की जाती है।

15-09-20 अधिकृत उपलब्ध / द्वितीय पत्र के बारे से अधिकृत द्वारा एक  
आवेदन दिया गया तथा इससे अनुसंधान किया गया की इस वाद  
से इससे आवधि समाप्त होने पर वाद की समाप्त करने की  
आदेश कि जाय।

इस वाद की कार्यविधि पूर्ण हो चुकी है, किसी कारण  
वश तत्कालिन पदां उचित समय पर आदेश नहीं कर सकी  
है। इस वाद की कार्यवाई समाप्त की जाती है।

ish